सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी
(केन्द्रिक) 2015 सेट-3
(foreign)

निर्देश:

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (15)

भारत प्राचीनतम संस्कृति का देश है। यहाँ दान पुण्य को जीवनमुक्ति का अनिवार्य अंग माना गया है। जब दान देने को धार्मिक कृत्य मान लिया गया तो निश्चित तौर पर दान लेने वाले भी होंगे। हमारे समाज में भिक्षावृत्ति की ज़िम्मेदारी समाज के धर्मात्मा, दयालु व सज्जन लोगों की है।

भारतीय समाज में दान लेना व दान देना - दोनों धर्म के अंग माने गए हैं। कुछ भिखारी खानदानी होते हैं क्योंकि पुश्तों से उनके पूर्वज धर्म स्थानों पर अपना अड्डा जमाए हुए हैं। कुछ भिखारी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के हैं जो देश में छोटी-सी विपति आ जाने पर भीख का कटोरा लेकर भ्रमण के लिए निकल जाते हैं। इसके अलावा अनेक श्रेणी के और भी भिखारी होते हैं।

कुछ भिखारी परिस्थिति से बनते हैं तो कुछ बना दिए जाते हैं। कुछ शौकिया भी। इस व्यवसाय में आ गए हैं। जन्मजात भिखारी अपने स्थान निश्चित रखते हैं। कुछ भिखारी अपनी आमदनी वाली जगह दूसरे भिखारी को किराए पर देते हैं। आधुनिकता के कारण अनेक वृद्ध मज़बूरीवश भिखारी बनते हैं। गरीबी के कारण बेसहारा लोग भीख माँगने लगते हैं। काम न मिलना भी भिक्षावृत्ति को जन्म देता है। कुछ अपराधी बच्चों को उठा ले जाते हैं तथा उनसे भीख मँगवाते हैं। वे इतने हैवान हैं कि भीख माँगने के लिए बच्चों का अंग-भंग भी कर देते हैं।

भारत में भिक्षा का इतिहास बहुत पुराना है। देवराज इन्द्र व विष्णु श्रेष्ठ भिक्षुकों में थे। इन्द्र ने कर्ण से अर्जुन की रक्षा के लिए उनके कवच व कुण्डल ही भीख में माँग लिए। विष्णु ने वामन अवतार लेकर भीख माँगी। धर्मशास्त्रों ने दान की महिमा का बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जिसके कारण भिक्षावृत्ति को भी धार्मिक मान्यता मिल गई। पूजा-स्थल, तीर्थ, रेलवे स्टेशन, बस-स्टैण्ड, गली-मुहल्ले-आदि हर जगह भिखारी दिखाई देते हैं। इस कार्य में हर आयु का व्यक्ति शामिल है। साल-दो साल के दुध मुँहे बच्चे से लेकर अस्सी-नब्बे वर्ष के बूढ़े तक को भीख माँगते देखा जा सकता है।

भीख माँगना भी एक कला है, जो अभ्यास या सूक्ष्म निरीक्षण से सीखी जा सकती है। अपराधी बाकायदा इस काम की ट्रेनिंग देते हैं। भीख रोकर, गाकर, आँखें दिखाकर या हँसकर भी माँगी जाती है। भीख माँगने के लिए इतना आवश्यक है कि दाता के मन में करुणा

जगे। अपंगता, कुरूपता, अशक्तता, वृद्धावस्था आदि देखकर दाता करुणामय होकर परंपरानिर्वाह कर पुण्य प्राप्त करता है।

(क) गद्यांश का समुचित शीर्षक दीजिए। (1)

(ख) “भारत में भिक्षा का इतिहास प्राचीन है” - सप्रमाण सिद्ध कीजिए। (2)

(ग) “भीख माँगना एक कला है” - इस कला के विविध रूपों का उल्लेख कीजिए। (2)

(घ) समाज में भिक्षावृत्ति बढ़ाने में हमारी मान्यताएँ किस प्रकार सहायक होती हैं? (2)

(ङ) भिखारी व्यवसाय के विभिन्न स्वरूपों का उल्लेख कीजिए। (2)

(च) भिखारी दाता के मन में किस भाव को जगाते हैं और क्यों? (2)

(छ) आपके विचार से भिक्षावृति से कैसे छुटकारा पाया जा सकता है? (2)

(ज) उपसर्ग-प्रत्यय अलग कीजिए: (1)

बाकायदा, धार्मिक।

(झ) संयुक्त वाक्य में बदलिए - ग़रीबी के कारण बेसहारा लोग भीख माँगने लगते हैं। (1)

उत्तर- (क) शीर्षक - भिक्षावृत्ति एक समस्या।
(कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)

(ख)

- देवराज इन्द्र ने अर्जुन की रक्षा के लिए कर्ण से उनके कवच-कुण्डल भीख में माँग लिए।
- विष्णु ने वामन अवतार लेकर भीख माँगी।

(ग) रोकर । गाकर । आँखें दिखा कर। हँस कर।

(घ)

- दान की महिमा का बढ़ा-चढ़ा कर वर्णन करना।
- दान देने को धार्मिक कृत्य मान लेना।

(ङ)

- खानदानी।
- अन्तर्राष्ट्रीय।

- परिस्थितिजन्य।
- शौकिया।
- गरीब, बेसहारा।

(च)

- करूण भाव।
- दाता करूणामय होकर परम्परा निर्वाह का पुण्य प्राप्त करता है।

(छ)

- कड़े कानून द्वारा।
- शिक्षा द्वारा।
- जागरूकता।
  (अन्य मौलिक उत्तर भी स्वीकार्य)

(ज) उपसर्ग - बा। प्रत्यय - इक।

(झ) लोग, गरीब और बेसहारा होते हैं, इसलिए भीख माँगने लगते हैं।

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (5)

शांति नहीं तब तक, जब तक

सुख-भाग न सबका सम हो।

नहीं किसी को बहुत अधिक हो

नहीं किसी को कम हो।

स्वत्व माँगने से न मिले,

संघात पाप हो जाएँ।

बोलो धर्मराज, शोषित वे

जिएँ या कि मिट जाएँ?

न्यायोचित अधिकार माँगने

से न मिले, तो लड़ के

तेजस्वी छीनते समय को,

जीत, या कि खुद मर के।

किसने कहा पाप है? अनुचित

स्वत्व-प्राति-हित लड़ना?

उठा न्याय का खड्ग समर में

अभय मारना-मरना?

(क) कवि के अनुसार शांति के लिए क्या आवश्यक शर्त है?

(ख) युद्ध क्षेत्र को तेजस्वी किस प्रकार छीन लेते हैं?

(ग) न्यायोचित अधिकार के लिए मनुष्य को क्या करना चाहिए?

(घ) कृष्ण युधिष्ठिर को युद्ध के लिए क्यों प्रेरित कर रहे हैं?

(ङ) यदि आपको अधिकार से अन्यायपूर्वक वंचित किया जाता है तो आपको क्या करना चाहिए?

उत्तर- (क) सबको समान रूप से सुख-साधन उपलब्ध हों।

(ख) जीत कर या खुद बलिदान होकर

(ग) अगर माँगने से न मिले तो लड़ कर लेना।

(घ) स्वत्व और न्यायोचित अधिकार पाने के लिए।

(ङ) न्याय रूपी खड्ग उठा कर कर्मरूपी समर में उतर जाना चाहिए।

खण्ड-'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: (5)

(क) समाचार-पत्रों का महत्त्व

(ख) बढ़ती जनसंख्या घटते संसाधन

(ग) मोबाइल बिना सब लगे सूना

(घ) नारी जीवन का संघर्ष

उत्तर- भूमिका, उपसंहार।

विषय वस्तु।

प्रस्तुतीकरण, भाषा।

4. मोहल्ले में नए आए कुछ नवयुवकों की गतिविधियों पर आपको संदेह है और आपने ऐसी गतिविधियों को कैमरे में कैद भी किया है। संदेह का आधार बताते हुए पुलिस आयुक्त को उपयुक्त क़दम उठाने के लिए पत्र लिखिए। (5)

उत्तर- प्रारूप।

विचार।

भाषायी शुद्धता।

अथवा

यातायात नियमों की अनदेखी करना कुछ युवकों का शौक बनता जा रहा है, जिससे नियम-पालन करने वाले नागरिकों को असुविधा होती है। इस मुद्दे की चर्चा करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

उत्तर- प्रारूप।

विचार।

भाषायी शुद्धता।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (5)

(क) संचार प्रक्रिया में फीडबैक किसे कहते हैं और इसका क्या महत्व है?

(ख) समाचार शब्द को परिभाषित कीजिए।

(ग) इंटरनेट की लोकप्रियता के दो कारणों का उल्लेख कीजिए।

(घ) किसी समाचार की प्रस्तुति में जनरुचि का क्या महत्व है?

(ङ) संपादन में वस्तुपरकता से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- (क)

- कूटीकृत संदेश के पहुँचने पर प्रतिक्रिया।
- पता चलता है कि संचारक का संदेश प्राप्त कर्ता तक ठीक-ठाक पहुँच गया है।

(ख) ऐसी ताज़ी घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट है जिसमें अधिक से अधिक लोगों की रुचि प्रभावित हो।

(ग)

- ख़बरों को तीव्रता से पूरी दुनिया में भेजना।
- ख़बरों की पृष्ठभूमि आसानी से मिलना।
- मुद्रण, रेडियो तथा टी.वी.- तीनों के विशेषताओं से सम्पन्न।
  (किन्हीं दो का उल्लेख)

(घ) जनरुचि के कारण खेल, फिल्म, राजनीति आदि के अलग पृष्ठ होते हैं।
प्रत्येक का एक विशेष पाठक वर्ग होता है जिसके अनुसार वे समाचारों का चयन करते हैं।

(ङ) समाचार, घटनाएँ तथा तथ्य उसी रुप में ही प्रस्तुत किए जाएँ जिस रूप में घटित हुए हों। विशेष झुकाव, विरोध, समर्थन या किसी आग्रह के कारण मूल भावना में बदलाव न हो।

6. 'गाँवों से पलायन' अथवा 'बाढ़ की विभीषिका' पर एक आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- विचारों की मौलिकता।
प्रस्तुतीकरण।
भाषा - शैली।

7. 'विलुप्त होती गौरैया' अथवा 'काम पर जाते बच्चे' विषय पर एक फीचर का आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- विचारों की मौलिकता।

प्रस्तुतीकरण।

भाषा - शैली।

खण्ड-'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (8)

मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,

शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,

हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर,

मैं वह खंडहर का भाग लिए फिरता हूँ।

(क) शीतल वाणी में आग का क्या तात्पर्य है?

(ख) कवि ने खंडहर का भाग किसे कहा है और क्यों?

(ग) राजमहल न्यौछावर होने से क्या आशय है और वे किस पर न्यौछावर होते हैं?

(घ) मेरा जीवन विरुद्धों का सामंजस्य है' - यह बात कवि ने कैसे समझाई है?

उत्तर- (क)

- कवि का स्वर कोमल, शीतल, मधुर। परंतु प्रिय को न पाने की वेदना उतनी ही प्रबल है।
- व्यवहार में विनम्रता है परन्तु विचारों में उष्णता।

(ख)

- असफल प्रेम को।
- उसके हृदय में असफल प्रेम की यादें शेष रह गईं।

(ग) बड़े-बड़े राजाओं का साम्राज्य भी प्रेम पर न्यौछावर। क्योंकि राजा प्रेम के आवेग में राजगद्दी छोड़ने को तैयार हो जाते हैं।

(घ) रोदन में राग, शीतलवाणी में आग जैसे प्रयोगों के द्वारा।

अथवा

अंगना-अंग से लिपटे भी

आतंक अंक पर काँप रहे हैं

धनी, वज्र-गर्जन से बादल?

त्रस्त नयन मुख ढाँप रहे हैं।

जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,

तुझे बुलाता कृषक अधीर

ऐ विप्लव के वीर!

(क) कौन लोग विलासिता में डूबे हुए हैं? वे क्यों भयभीत हैं?

(ख) 'विप्लव के वीर' किसे कहा गया है? क्यों?

(ग) किसान की दशा कैसी हो गई है? इसका कारण क्या है?

(घ) बादलों को बुलाने में किसान की अधीरता का कारण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क)

- धनी व शोषक वर्ग।
- क्रांति के कारण सारी सुख-सुविधाओं के नष्ट होने का डर।

(ख)

- बादलों को।
- क्योंकि कवि ने उन्हें भीषण क्रांति के प्रतीक के रूप में चित्रित किया है।

(ग) किसान गरीब व सर्वहारा है।
शरीर जीर्ण-शीर्ण है। हड्डियों का ढाँचा मात्र। क्योंकि उसके जीवन रूपी सार को पूँजीपतियों ने पूरी तरह चूस लिया है।

(घ) उसे बादलों की कृपा पर ही भरोसा है। पानी से ही उसकी फसलें लहलहाएँगी अर्थात क्रांति के द्वारा उसका शोषण समाप्त होगा।

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (6)

छोटा मेरा खेत चौकोना

कागज़ का एक पन्ना,

कोई अंधड़ कहीं से आया

क्षण का बीज वहाँ बोया गया।

(क) खेत और काग़ज़ की तुलना का आधार स्पष्ट कीजिए।

(ख) अंधड़ और बीज का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- (क)

- दोनों की समान आकृति-चौकोर।
- जिस प्रकार खेत में बीज पल्लवित होते हैं उसी प्रकार पन्ने पर मन के भाव/विचार पल्लवित होते हैं।

(ख) अंधड़-मन के विचारों का आवेग।
बीज-मूल विचार/भाव।

(ग) सरल-सहज भाषा।
प्रतीकात्मकता।
(कोई अन्य बिन्दु भी स्वीकार्य)

अथवा

आँगन में टुनक रहा है ज़िदयाया है

बालक तो हई चाँद पर ललचाया है

दर्पण उसे दे के कह रही है माँ

देख आईने में चाँद उतर आया है।

(क) काव्यांश की भाषा की लाक्षणिकता और लोकतत्व पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) यह किस छन्द में लिखा गया है तथा उसका क्या लक्षण है?

(ग) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क)

- लाक्षणिकता - आँगन में चाँद उतरना।
- ठुनकना, जिद करना, ललचाना लोकतत्व।
- जनसाधारण की भाषा का घरेलू रूप।

(ख)

- रुबाई छन्द।
- चार पंक्तियाँ होती हैं। पहली, दूसरी और चौथी पंक्ति में तुक मिलाया जाता है। तीसरी स्वतंत्र।

(ग)

- वर्णन में स्वाभाविकता।

- बच्चे की जिद और ठुनक का अत्यंत स्वाभाविक वर्णन।
- गतिशील व चित्रात्मक वर्णन।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3+3=6)

(क) 'सबसे तेज़ बौछारें गेन, भादों गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(ख) 'चिड़िया ओ फूल के बहाने' कविता क्या है? कुँअर नारायण ने इस संबंधों को कैसे व्यक्त किया है?

(ग) "नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई" तथा नारि हानि विसेष छति नाहीं" जैसे कथनों के आधार पर नारी के प्रति तुलसी के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क) आकाश निर्मल। प्रातःकाल की लालिमा अत्यंत मनोरम। वातावरण में शीतलता छाने लगती है। खरगोश की लाल आँखों जैसा खिलता हुआ शरद ऋतु का सवेरा। मुलायम-आकाश।

(ख) चि़डिया की उड़ान और फूल की मुसकान सुन्दर होते हुए भी सीमित है परन्तु कविता की उड़ान असीमित। कविता में कल्पना की उड़ान होती है। वह फूल की तरह विकसित होकर आनंद देती है।

(ग)

- तुलसी भाई की अपेक्षा पत्नी/नारी को कम महत्व देते हैं।
- पत्नी के न रहने पर दूसरी के आ सकने की संभावना का संकेत।
- किंतु यह तुलसी के समय समाज की सामान्य मानसिकता थी जिससे तुलसी अछूते नहीं रह सके।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (8)

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ़ पहलवान को ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस खयाल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े-बच्चे जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन-शक्ति-शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी। अवश्य ही ढोलक की आवाज़ में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूंदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे।

(क) पहलवान को ढोलक किसे ललकारती थी और क्यों?

(ख) मरणासन्न लोगों पर ढोलक का क्या प्रभाव पड़ता था?

(ग) लेखक ने दंगल के दृश्य की चर्चा किस उद्देश्य से की है?

(घ) महामारी की सर्वनाशक शक्ति के सामने ढोलक की भूमिका समझाइए।

उत्तर- (क)

- रात्रि की विभीषिका को।
- क्योंकि अधमरे, दवा, उपचार, पथ्य-विहीन प्राणियों में संजीवनी शक्ति भरती थी।

(ख)

- उनके सामने दंगल का दृश्य नाचने लगता था।
- वे अपनी पीड़ा भूल जाते थे।

(ग)

- दंगल का दृश्य लोगों पर जादुई प्रभाव डालता था।
- उन्हें जैसे मरने का हौंसला मिलता था।

(घ)

- ढोलक की आवाज़ बीमारों में बिजली की सिहरन भर देती थी।
- मरते समय लोगों को तकलीफ नहीं होती थी।

अथवा

भारतीय कला और सौन्दर्यशास्त्र को कई रसों का पता है, उनमें से कुछ रसों का किसी कलाकृति में साथ साथ पाया जाना श्रेयस्कर भी माना गया है, जीवन में हर्ष और विषाद आते रहते हैं यह संसार की सारी सांस्कृतिक परंपराओं को मालूम है, लेकिन करुणा का हास्य में बदल जाना एक ऐसे रस-सिद्धान्त की माँग करता है जो भारतीय परंपराओं में नहीं मिलता। 'रामायण’ और 'महाभारत' में जो हास्य है वह दूसरों पर है और अधिकांशतः वह परसंताप से प्रेरित है। जो करुणा है वह अकसर सद्व्यक्तियों के लिए और कभी-कभार दुष्टों के लिए है। संस्कृत नाटकों में जो विदूषक है वह राजव्यक्तियों से कुछ बदतमीजियाँ अवश्य करता है, किंतु करुणा और हास्य का सामंजस्य उसमें भी नहीं है। अपने ऊपर हँसने और दूसरों में भी वैसा ही माद्दा पैदा करने की शक्ति भारतीय विदूषक में कुछ कम ही नज़र आती है।

(क) भारत में हास्य रस को परसंताप से प्रेरित क्यों कहा गया है?

(ख) करुणा और हास्य का अभाव भारतीय परंपराओं के साथ क्यों नहीं दिखाई देता?

(ग) भारतीय सौन्दर्यशास्त्र में सामान्यत: करुणा के पात्र कौन हैं और क्यों?

(घ) विदूषक का क्या तात्पर्य है? भारतीय विदूषक की विशेषता क्या बताई गई है?

उत्तर- (क) रामायण, महाभारत में दूसरों की कमी, न्यूनता आदि का उपहास करने के उल्लेख द्वारा।

(ख)

- विपरीत रस है।
- रस सिद्धांत के अनुकूल नहीं।

(ग)

- प्रायः सदाचारी व्यक्तियों के प्रति।
- कभी-कभी दुष्टों के प्रति। क्योंकि करुणा के उपयुक्त पात्र पर कभी-कभी हास्य का भाव।

(घ)

- संस्कृत नाटकों में हँसाने वाला एक पात्र।
- कहीं-कहीं राजव्यक्तियों की बदतमीजियों पर हँसी पैदा करता है। स्वयं पर नहीं हँसता।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए (12)

(क) 'भक्तिन में दुर्गुणों का अभाव नहीं।' किन्हीं तीन दुर्गुणों का उल्लेख कर कथन को प्रतिपादित कीजिए ।

(ख) जैनेन्द्र कुमार ने बाज़ार का जादू किसे कहा है और उससे बचने का उपाय क्या बताया?

(ग) डॉ. आम्बेडकर के मतानुसार दासता की व्यापक परिभाषा की चर्चा कीजिए।

(घ) शिरीष के वर्णन में कवि ने महात्मा गाँधी का उल्लेख क्यों किया है?

(ङ) साफ़िया नियम-विरुद्ध काम कर रही थी, पाक और भारत दोनों के कस्टम अधिकारियों ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया और क्यों?

उत्तर- (क)

- लेखिका के इधर-उधर पड़े पैसे भण्डार घर की मटकी में छिपा कर रख देना।
- स्वामिनी के क्रोध से बचने के लिए बात को इधर-उधर करके बताने को झूठ नहीं मानती।
- शास्त्रीय बातों की व्याख्या अपनी इच्छानुसार करती है।
- किसी से भी कुतर्क करने लगती है।

(ख)

- बाज़ार की नई-नई चीजों को देखकर लुभाने व खरीदने के लिए विवश कर देना, बाज़ार का जादू कहा है।
- बाज़ार तभी जाना चाहिए, जब कुछ लेने की आवश्यकता हो।
- मन में तृप्ति व संतोष का भाव हो।

(ग) केवल कानूनी पराधीनता दासता नहीं, दासता वह है- जिसमें कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार व कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है।

(घ)

- शिरीष का फूल व गांधी दोनों कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी मस्त और फक्कड़ बने रहते।
- गांधी जी ने मारकाट, अग्निदाह, लूटपाट, खून-खच्चर के बीच अपन अस्तित्व को बनाये रखा, उसी तरह शिरीष भी भयंकर लू और गर्मी के बीच अपने को सरस बनाये रखता है।

(ङ) ज़मीन पर खींची गई रेखायें उनके अन्तर्मन तक नहीं पहुँच पायीं, उन्होंने सहयोग-स्नेहपूर्ण व्यवहार किया, क्योंकि हर व्यक्ति को अपनी मातृभूमि से प्यार होता है, देश की सीमाएँ मनुष्य के मनों को विभाजित नहीं करतीं।

13. 'डायरी के पन्ने' में ऐन फ्रेंक ने महिलाओं की सामाजिक स्थिति पर जो विचार व्यक्त किए हैं, उनका विवेचन जीवन-मूल्यों की दृष्टि से कीजिए। आज उन मूल्यों और परिस्थितियों में कितना परिवर्तन आ सका है? विस्तार से समझाइए। (5)

उत्तर-

- पुरुषों के समान महिलाओं को भी पूरा सम्मान मिलना चाहिए।
- औरतों को सैनिकों का दर्जा मिलना चाहिए।
- मानव जाति की निरन्तरता औरत से है।
- पुरुषों को उन्हें सम्मान देना चाहिए।
  आज परिस्थितियाँ बदल गयी हैं, समानता का अधिकार है, हर क्षेत्र में सक्षम।

14. (क) 'जूझ' कहानी के शीर्षक का औचित्य सिद्ध कीजिए। (5)

(ख) ऐन फ्रेंक और पीटर के आपसी संबंधों पर प्रकाश डालिए। (5)

उत्तर- (क)

- जूझ का अर्थ है – संघर्ष
- कथानायक आनंद ने पाठशाला जाने के लिए संघर्ष किया।
- पाठशाला में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष।
- कवि बनने के लिए संघर्ष।
- संघर्ष के बल पर ही कथानायक को अपने उद्देश्य की प्राप्ति।

(ख)

- ऐन और पीटर युवा मित्र की तरह।

- दोनों में प्यार।
- ऐन पीटर की प्रेम दीवानी।
- पीटर, ऐन का आत्मीय व्यक्ति।
- पीटर, ऐन के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं करता।
- ऐन का पीटर को घुन्ना मानना।
- पीटर का खाने में नखरे करना, ऐन को पसंद नहीं।